Sl. No. 321

B-DTN-J-QMA

CS(M)2009

PHILOSOPHY

Paper I

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section 'A'

1.			te short notes on any <i>three</i> of the following in ut 200 words each : $20 \times 3=60$
		(a)	Interactionism in the philosophical context.
		(b)	"The rational is real and the real is rational." — Comment.
		(c)	"To be is to be perceived." - Discuss.
		(d)	"Existence precedes essence." - Comment.
	2.	(a)	Compare the views of Leibniz and Hume on the concept of substance. 30
		(b)	Examine how Ayer eliminates metaphysics. 30
	3.	(a)	What are Quine's objections with regard to the verification theory of meaning? 30
		(b)	Compare the views of Spinoza and Sartre on Freedom. 30
	4.	Comment on each of the following in about 200 words each : $20 \times 3=60$	
		(a)	Plato's analogy of the cave and its significance in his theory of knowledge.
		(b)	Kant's objections against the ontological argument for the existence of God.
		1.0	

(c) Descartes' mind-body dualism and Strawson's response to it.

B-DTN-J-QMA

(Contd.)

- निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हो : 20×3=60
 - (क) दर्शन के संदर्भ में अन्योन्यक्रियावाद।
 - (ख) ''तर्कसंगत वास्तविक होता है और वास्तविक तर्कसंगत होता है।'' — टिप्पणी कीजिए।
 - (ग) "घटित होने का तात्पर्य प्रत्यक्षित होना है।" चर्चा कीजिए।
 - (घ) ''अस्तित्व सार- का पूर्ववर्ती होता है।'' टिप्पणी कीजिए।
- (क) सार की संकल्पना पर लाइबनिज़ और ह्यूम के विचारों की तुलना कीजिए।
 30
 - (ख) परीक्षण कीजिए कि ऐयर तत्वमीमांसा का किस प्रकार निराकरण कर देता है।
 30
- (क) अर्थ की सत्यापन थियोरी के संबंध में क्विन की क्या आपत्तियां हैं ?
 30
 - (ख) स्वतंत्रता पर स्पिनोज़ा और सार्त्रे के विचारों की तुलना कीजिए।
- निम्नलिखित में से प्रत्येक पर टिप्पणी कीजिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हो : 20×3=60
 - (क) प्लैटो का गुहा-सादृश्य और ज्ञान की उसकी थियोरी में उसका महत्व।
 - (ख) ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रत्यय-सत्ता युक्ति के विरुद्ध कांट की आपत्तियां।
 - (ग) डेस्कार्टिस का मन-शरीर द्वैतवाद और उसके प्रति स्ट्रासन की अनुक्रिया।

3

B-DTN-J-QMA

(Contd.)

Section 'B'

- 5. Write short notes on any *three* of the following in about 200 words each : $20 \times 3=60$
 - (a) Anekāntavāda
 - (b) Adhyāsa
 - (c) Hetvābhāsa according to Nyāya
 - (d) Conception of Kaivalya according to yoga
- 6. Compare Aristotle's view regarding causation with that of the Samkhya school's view of causation. 60
- Compare the viewpoints of Nyāya, Vaiseşika, Mimāmsā and Buddhism on the issue of knowledge of abhāva.
 60
- Compare Patanjali's Yoga with the Integral Yoga expounded by Aurobindo, bringing out clearly points of similarity and dissimilarity.

B-DTN-J-QMA

खण्ड 'ख'

 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में होनी चाहिए : 20×3=60

外节 新闻题

(क) अनेकांतवाद

(ख) अध्यास

- (ग) न्याय के अनुसार हेत्वाभास
 - (घ) योग के अनुसार कैवल्य की संकल्पना
- कार्यकारण-भाव के संबंध में अरस्तु के विचार की, कार्यकारण-भाव के सांख्य संप्रदाय के विचार के साथ तुलना कीजिए।
- अभाव के ज्ञान के मुद्दे पर न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और बौद्ध धर्म के दृष्टिकोणों के बीच तुलना कीजिए।
 60
- पतंजलि के योग की अरविंद द्वारा प्रतिपादित समाकलित योग के साथ, समानता और असमानता के बिंदुओं को स्पष्टता के साथ उजागर करते हुए, तुलना कीजिए।

the second second

And the state of the state of the state of the

The state of the second states

THE PARTY AND THE PARTY AND THE

B-DTN-J-QMA



दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र I

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है। प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.